ISSN 2348-3857

नागौर जिले में जनसंख्या वृद्धि एवं बदलता मानव संसाधन प्रतिरूप

Research Reinforcement
ISSN 2348-3857

बीना कुमारी

शोधार्थी भूगोल, राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय, सांभरलेक, जयपुर (राजस्थान)

डॉ. विनीता तंवर

व्याख्याता भूगोल, राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय, सांभरलेक, जयपुर (राजस्थान)

शोध सारांश

भूगोल एक अन्तर्वैज्ञानिक विषय के रूप में जाना जाता है जिसका मुख्य लक्ष्य है प्राकृतिक तथा सांस्कृतिक वातावरण का सामंजस्यपूर्ण अध्ययन। पृथ्वी तल के विभिन्न क्षेत्रों में निरन्तर परिवर्तनशीलता के साथ बढ़ती जनसंख्या एक बहुआयामी समस्या है। किसी क्षेत्र के विकास की योजना बनाने के लिए क्षेत्र की जनसंख्या व मानव संसाधन को समझना आवश्यक ही नहीं, अपितु अनिवार्य है। जनसंख्या व विकास में गहरा सम्बन्ध है। भूगोल विषय में प्रारम्भ से ही मानव व वातावरण के सम्बन्धों का अध्ययन किया जा रहा है क्योंकि जनसंख्या व विकास में परस्पर गहरा सम्बन्ध होता है। यह सही है कि क्षेत्र विकास के लिए जनसंख्या महत्वपूर्ण पक्ष होता है लेकिन हम इस बात को भी उपेक्षित नहीं कर सकते कि अति जनसंख्या वृद्धि किसी क्षेत्र के विकास को अवरुद्ध कर देती है। अत: हमें जनसंख्या वृद्धि व बदलते मानव प्रतिरूप के प्रति अधिक सजग रहने की आवश्यकता है। उपर्युक्त विषयान्तर्गत प्रस्तुत शोध में नागौर जिले की जनसंख्या वृद्धि का अध्ययन किया गया है। शोध में लिंगानुपात, साक्षरता, ग्रामीण-नगरीय जनसंख्या आदि का तुलनात्मक विश्लेषण प्रस्तुत किया गया है जो बदलते मानवीय संसाधन प्रतिरूप को स्पष्ट करने में सहायक सिद्ध होगा।

वर्तमान में राजस्थान में नागौर जिला अपने विशिष्ट महत्व के कारण राजस्थान की हृदय स्थली है। स्वतंत्रता के बाद नागौर को भारत के उस स्थान का गौरव प्राप्त है जहाँ से 2 अक्टूबर 1959 को स्वर्गीय पं. जवाहरलाल नेहरू ने प्रजातांत्रिक विकेन्द्रीकरण की शुरूआत की थी। यहाँ प्रसिद्ध जैन विश्व भारती विश्वविद्यालय का मुख्यालय है जो महान संत आचार्य तुलसी के नेतृत्व में आध्यात्मिक ज्ञान व अध्ययन का केन्द्र बन गया है। जिसका विश्व मानचित्र में अपना विशिष्ट स्थान है।

उद्देश्य

प्रस्तुत शोध पत्र के निम्नांकित उद्देश्य हैं-

1. नागौर जिले में जनसंख्या वृद्धि की प्रवृति।
2. जिले में जनसंख्या का स्थानिक वितरण।
3. जिले में जनसंख्या वृद्धि का स्थानिक प्रतिरूप।

शोध विधि तंत्र एवं आंकड़ों का स्त्रोत

उपर्युक्त उद्देश्यों की पूर्ति के लिये जनसंख्या आंकड़े विभिन्न जिला जनगणना पुस्तिका, जिला सांख्यिकी रूपरेखा से लिये गये हैं। जनगणना के अतिरिक्त आंकड़ें जिला सांख्यिकी कार्यालय, कृषि, सिचाई विभाग से लिये गये हैं। नागौर जिले से सम्बंधित सूचनाऐं जिला गजेटियर से ली गई हैं। समान्तर माध्य, प्रमाप विचलन, विचरण गुणांक और प्रमाणीकृत मूल्य आंकड़ों से निकाले गये है। विषयक मानचित्र के द्वारा जनसंख्या के स्थानिक वितरण आदि को दिखाया गया है।

स्थिति एवं विस्तार

नागौर जिला राजस्थान प्रान्त के ठीक मध्य में $26^0 25'$ उत्तरी अक्षांश से $27^0 40'$ उत्तरी अक्षांश तथा $73^0 10'$ पूर्वी देशान्तर से $75^0 15'$ पूर्वी देशान्तर के मध्य स्थित है। उत्तर से दक्षिण में जिले की अधिकतम लम्बाई 148 किलोमीटर तथा पूर्व से पश्चिम में अधिकतम चौड़ाई 229 किलोमीटर है। जिले का कुल क्षेत्रफल 17718 वर्ग किलोमीटर है। आकार की दृष्टि से यह जिला प्रदेश का छठा सबसे बड़ा जिला है। नागौर जिले की शुष्क जलवायु है वर्षा का औसत 31.17 सेमी है। वन क्षेत्रफल 235.93 वर्ग किमी पर है जो जिले के कुल भौगोलिक क्षेत्र के अनुपात में सिर्फ 1.33 प्रतिशत भूमि पर ही वन स्थित है।

ISSN 2348-3857

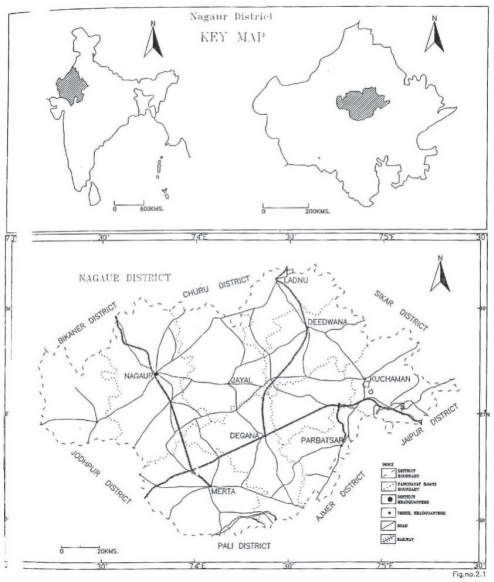

नागौर जिले में कुल 10 तहसीलें, 9 उपखण्ड, 11 विकास खण्ड, 1480 ग्राम 30, ग्राम गेहूँ आबाद, 12 कस्बे व 10 नगरपालिकायें है।

जनसंख्या वृद्धि एवं वितरण

नागौर जिले में जनसंख्या में लगातार वृद्धि हो रही है। 1931 में यहाँ 568434 जनसंख्या थी, 2001 में 2775058 जनसंख्या हो गई, 29.38 की वृद्धि अंकित की गई। 2011 में नागौर की कुल जनसंख्या 33.09 लाख जो राज्य की कुल जनसंख्या का 4.82 प्रतिशत है। जिसमें से 80.83 प्रतिशत जनसंख्या ग्रामीण एवं 19.17 प्रतिशत जनसंख्या नगरीय है।

जनसंख्या की दस वर्षीय वृद्धि

वर्ष	योग	दस वर्ष का अन्तर	प्रतिशत वृद्धि या कमी
1931	568434	-	-
1941	656377	(+)87943	(+) 15-47
1951	7763829	(+) 107452	(+) 16-37
1961	934948	(+)171119	(+) 22-40
1971	1262157	(+)327209	(+) 35-00
1981	1628669	(+)366512	(+) 29-04
1991	2144810	(+) 516141	(+) 31-69
2001	2775058	(+) 630248	(+) 29-38
2011	3309234	(+) 534176	(+) 19-25

स्रोत : जनगणना प्रतिवेदन 2011 राज.

जनसंख्या घनत्व

जिले का जनसंख्या घनत्व 187 है जो राज्य के घनत्व 201 व्यक्ति प्रति वर्ग किलोमीटर से कम है जिले में जनसंख्या घनत्व में निरन्तर वृद्धि हो रही है। सर्वाधिक जनसंख्या घनत्व मकराना 2001 के अनुसार 261 एवं न्यूनतम खींवसर 87 व्यक्ति प्रतिवर्ग किलोमीटर है।

क्र.सं.	तहसील	घनत्व प्रति वर्ग कि.मी.	
		2001	2011
1	लाडनूं	171	201
2	डीडवाना	200	241
3.	जायल	108	129
4	नागौर	140	171
5	खींवसर	87	117
6	मेड़ता	147	169
7	डेगाना	140	160
8	परबतसर	181	203
9	मकराना	261	309
10	नावां	221	266

स्रोत : जनगणना प्रतिवेदन 2001 व 2011 राज.

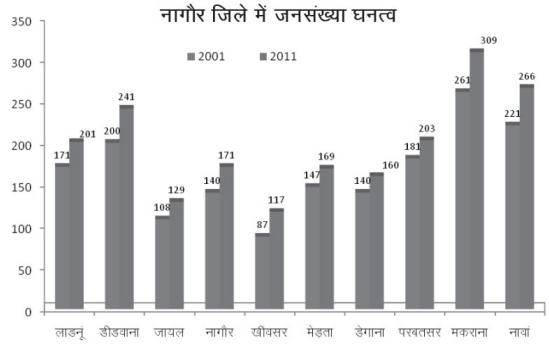

लिंगानुपात

2011 की जनगणना के अनुसार नागौर जिले में कुल जनसंख्या 3309234 है जिसमें से पुरुषों की संख्या 1698760 एवं महिलाओं की संख्या 1610474 है। प्रति हजार पुरुषों पर महिलाओं की संख्या लिंगानुपात कहलाती है। 2011 की जनगणना के अनुसार प्रति हजार पुरुषों पर 948 महिलाएं है। सन् 2001 में यह अनुपात 947 था। 2011 की जनगणना के अनुसार राजस्थान के संदर्भ में यहाँ का लिंगानुपात 13वें स्थान पर आता है। जो राजस्थान के औसत 926 से अधिक है।

तहसील स्तर पर लिंगानुपात को देखा जाये तो जिले में सर्वाधिक लिंगानुपात वाले क्षेत्रों में लाडनूं, डीडवाना, डेगाना के क्षेत्रों को सम्मिलित किया जाता है। इस क्षेत्र में लिंगानुपात प्रति हजार पुरुषों पर महिलाओं की संख्या क्रमश 970, 962, 968 है। सबसे कम लिंगानुपात वाले क्षेत्रों को देखा जाए तो इन क्षेत्रों में प्रति हजार पुरुषों पर महिलाओं की संख्या 940 से भी कम है। इन भागों में खींवसर, नावां तहसील के भागों को सम्मिलित किया जाता है।

क्र. सं.	तहसील	लिंगानुपात (महिलाएं प्रति हजार पुरुष)	
		2001	2011
1	लाडनूं	970	970
2	डीडवाना	975	962
3.	जायल	958	942
4	नागौर	939	944
5	खींवसर	942	928
6	मेड़ता	924	944
7	डेगाना	968	968
8	परबतसर	933	962
9	मकराना	945	945
10	नावां	931	938

स्रोत : जनगणना प्रतिवेदन 2001 व 2011 राज.

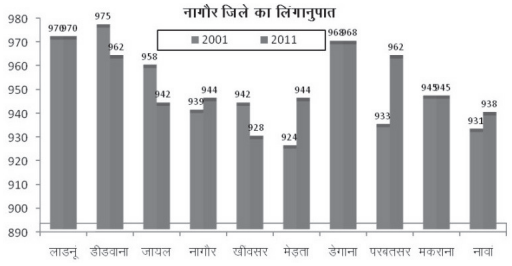

साक्षरता

वर्ष 2011 के अनुसार नागौर जिले की कुल जनसंख्या का 64.08 प्रतिशत भाग साक्षर है जिसमें स्त्री पुरुष साक्षरता में काफी अन्तर है। पुरुष साक्षरता 78.90 प्रतिशत और महिला साक्षरता 48.63 प्रतिशत है। नगरीय साक्षरता 72.11 प्रतिशत एवं ग्रामीण साक्षरता 61.16 प्रतिशत है।

जिले में 2001 की जनगणना के अनुसार साक्षरता का प्रतिशत 57.28 है जिले में 74.10 प्रतिशत पुरुष तथा 39.67 प्रतिशत महिला साक्षरता थी। साक्षरता में तहसील स्तर पर बहुत अधिक विभिन्नता पाई जाती हैं।

जनसंख्या नियंत्रण के सुझाव

- शिक्षा का अधिक से अधिक प्रसार
- विवाह योग्य आयु में वृद्धि की जानी चाहिए
- मनोरंजन के सस्ते एवं सुलभ साधनों में वृद्धि होनी चाहिए
- जिले के उत्पादन में वृद्धि करनी चाहिए
- परिवार नियोजन को कानूनी रूप से अनिवार्य किया जाना चाहिए
- सामाजिक सुरक्षा की व्यवस्था होनी चाहिए
- स्वास्थ्य शिक्षा पर अधिक ध्यान देना चाहिए
- विवेकहीन मातृत्व पर रोक
- जनजागृति चेतना का प्रसार प्रसार
- नैतिक संयम या नैतिक एवं यौन शिक्षा को अनिवार्य किया जाना चाहिए

निष्कर्ष

नागौर जिले में जनसंख्या प्रति वर्ष तीव्रगति से बढ़ रही है। जनसंख्या वृद्धि रोकने के लिए विशेष उपायों की आवश्यकता है। क्योंकि जिस गति से जनसंख्या वृद्धि हो रही है उस गति से जिले में आर्थिक विकास करना सम्भव नहीं है जो एक भयंकर चेतावनी है यदि जनसंख्या को नियंत्रित नहीं किया गया तो जिले में जल, भोजन, वस्त्र, आवास, शिक्षा, स्वास्थ्य और बेरोजगारी जैसी समस्याएं विकराल रूप धारण कर लेगी और लोगों को जीवन स्तर निम्न होता चला जायेगा। इससे जिले के सतत् विकास को बाधा उपस्थित होगी।

संदर्भ सूची

1. गुप्ता, आशुतोष, राजस्थान सुजस, अंक जनवरी, 1988, पृ. 23-26
2. जिला जनगणना पुस्तिका, 1991
3. जिला सांख्यिकीय रूपरेखा, 2010
4. सिंघल, के.के., राजस्थान डिस्ट्रिक्ट गजेटियर, नागौर, महावीर प्रिंटिंग प्रेस, जयपुर, 1975
5. गुप्ता, मोहनलाल, नागौर का राजनीतिक एवं सांस्कृतिक इतिहास, शुभदा प्रकाशन, जोधपुर, 1999
6. भारत की जनगणना 2011, पीसीए नागौर